सिंह राशि

जनवरी

स्वास्थ्य- स्वास्थ्य सुख उत्तम नहीं रहेगा। अल्प परिश्रम करने पर ही शारीरिक निर्बलता का अनुभव करेंगे। वायु विकार के कारण पाचन क्रिया ठीक नहीं रहेगी। बार-बार भोजन करेंगे, जिससे अजीर्ण की अधिकता पायी जायेगी। अतिसार के कारण स्मरण शक्ति कमजोर रहेगी। शरीर में बार-बार दर्द होगा। आंशिक रूप से अस्थियों में विकार रहेगा। सत्य को असत्य और असत्य को सत्य समझकर कार्य करेंगे। किसी विषय के निर्णय में सक्षम नहीं रहेंगे। शारीरिक सुन्दरता में ह्रास की स्थिति पायी जायेगी। धातु दुर्बलता के कारण बार-बार मूत्र त्याग की इच्छा प्रबल रहेगी। मानसिक-शारीरिक दोनों पक्षों से कमजोर रहेंगे। धैर्य धारण की क्षमता नहीं रहेगी, शीघ्र ही व्याकुल हो जायेंगे।

आर्थिक स्थिति- आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी। चतुराई एवं बुद्धि की प्रखरता के कारण धन संचय करने में समर्थ रहेंगे। जितनी धन की इच्छा होगी उतनी मात्रा में धन की प्राप्ति नहीं होगी। धन के अभाव में किसी कार्य में बाधा आने की सम्भावना नहीं रहेगी। कभी-कभी आकस्मिक घटनाओं के कारण धनादिक क्षेत्र में भारी क्षति होगी।

पारिवारिक स्थिति- पारिवारिक स्थिति सामान्य रहेगी। परिवार में अर्थाभाव की स्थिति नहीं आयेगी और किसी भी वस्तु का अभाव नहीं रहेगा। परिवार में धन-धान्य की पूर्णता रहेगी, किन्तु रोगों की अधिकता के कारण अधिक धन का व्यय होगा। मांगलिक कार्यों के विधिवत सम्पन्न होने के कारण लोग विशेष सन्तुष्ट रहेंगे। परिवार में सामंजस्य के द्वारा लोग एकत्रित रहेंगे। एकता-अखण्डता में कमी नहीं आयेगी। जीवनसाथी को कष्टों की अनुभूति होगी। स्वास्थ्य कुछ विकारयुक्त रहेगा। परिवार के लोग दूरस्थ यात्राओं में धन का व्यय अधिक करेंगे, जिसका प्रभाव आर्थिक स्तर पर पड़ेगा।

अध्ययन- अध्ययन-अध्यापन के लिए यह मास उत्तम रहेगा। अर्थकारी विद्या के अध्ययन में विशेष रुचि रखेंगे। किन्तु शारीरिक-मानसिक निर्बलता और स्मरण शक्ति की कमी के कारण शीघ्र ही विषयों को भूल जायेंगे, परन्तु अध्ययन का परित्याग नहीं करेंगे। बार-बार प्रयत्न तथा अध्ययन द्वारा विषय ज्ञान को प्राप्त करने में सफल रहेंगे। किसी कार्य को करने की क्रमबद्धता पर ध्यान आकर्षित नहीं करेंगे, जिसके फलस्वरूप निन्दा के पात्र बनेंगे।

फरवरी

स्वास्थ्य- स्वास्थ्य सुख विशेष अनुकूल नहीं रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति चिन्ता व्यक्त करेंगे। उदर विकार तथा दर्द की सम्भावना रहेगी।

मित्र- मित्र प्रसन्न नहीं रहेंगे। मित्रों से विचारों में भिन्नता रहेगी। मित्रों के प्रति कपट की भावना रखेंगे, जिससे मित्र लोग पृथक रहेंगे।

आर्थिक स्थिति- आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी। किसी प्रकार भरण-पोषण करने में सफल रहेंगे।

प्रतिष्ठा- मान-प्रतिष्ठा में कमी रहेगी। लोगों द्वारा अपमानित होंगे, किन्तु प्रकृति में सुधार की स्थिति नहीं आयेगी।

आहार- रोग वर्धक आहारों का सेवन करेंगे जिससे पूर्व के रोगों में वृद्धि होगी। शारीरिक निर्बलता में स्थिरता आयेगी।

अध्ययन- अध्ययन-अध्यापन के लिए यह मास अच्छा नहीं रहेगा। अध्ययन से विरत ही रहेंगे, किन्तु अर्थ प्राप्ति तथा जीविकोपार्जन हेतु आंशिक अध्ययन करेंगे।

जीवनसाथी- जीवनसाथी का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। जीवनसाथी के आचार-विचार से प्रसन्नता रहेगी। परस्पर प्रेम में वृद्धि होगी।

सन्तान- सन्तान के भविष्य की चिन्ता रहेगी। पुत्र के शारीरिक विकास में अवरोध की स्थिति आयेगी, किन्तु औषधियों के सेवन से सफलता प्राप्त होगी।

मार्च

स्वास्थ्य- पूर्ण रूपेण स्वस्थ होने में बाधा आयेगी। प्राचीन रोगों का समूल नष्ट होना सरल नहीं रहेगा। कुछ न कुछ औषधियों का सेवन करना पड़ेगा।

मित्र- मित्रों के साथ विश्वासघात की स्थिति आयेगी। मित्रों में प्रसन्नता नहीं रहेगी। मित्रों से स्वार्थपूर्ति नहीं होगी। मित्रों से क्लेश की स्थिति आयेगी।

आर्थिक स्थिति- आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी। आत्मसन्तोष द्वारा जीविकोपार्जन करेंगे। ऋण की स्थिति नहीं आयेगी।

प्रतिष्ठा- आंशिक मान-प्रतिष्ठा से युक्त रहेंगे। लोगों की निन्दा के कारण सम्मान से पृथक रहेंगे।

आहार- मनोनुकूल आहार की प्राप्ति नहीं होगी, जिससे अतिसार रोग में वृद्धि होगी, किन्तु नियम-संयम द्वारा सफलता मिलेगी।

अध्ययन- आंशिक अध्ययन द्वारा लोगों को आकर्षित करके धन का आगम मजबूत करेंगे।

जीवनसाथी- जीवनसाथी के प्रति कुछ निराशा उत्पन्न होगी। जीवनसाथी कान तथा मासिक धर्म के विकार के कारण कमर व पेट के दर्द से पीड़ित रहेगी।

सन्तान- सन्तान पक्ष से प्रसन्नता मिलेगी। सन्तान के भविष्य की चिन्ता रहेगी।

अप्रैल

स्वास्थ्य- शारीरिक स्वास्थ्य में विशेष सुधार की स्थिति नहीं आयेगी। कभी शारीरिक पीड़ा तो कभी अतिसार से कष्ट होगा।

मित्र- मित्रों के साथ सम्बन्ध अच्छे नहीं रहेंगे। मित्रों के साथ विश्वासघात के कारण उनसे पृथक ही रहेंगे। मित्रों में निन्दा होगी। मित्रों से लाभ की आशा नहीं रहेगी।

आर्थिक स्थिति- आर्थिक स्थिति विशेष अच्छी नहीं रहेगी। किसी प्रकार से अपना और परिवार का भरण-पोषण कर सकेंगे।

प्रतिष्ठा- मान-प्रतिष्ठा में कमी नहीं आयेगी। समाज तथा परिवार में लोग प्रत्यक्ष स्तुति करेंगे, पर परोक्ष रूप से निन्दा करते रहेंगे।

आहार- मनोनुकूल आहार की प्राप्ति नहीं होगी, जिससे स्वास्थ्य पर गहरा आघात लगेगा।

अध्ययन- अध्ययन के क्षेत्र में आंशिक सफलता मिलेगी। श्राद्ध सम्बन्धी विषयों का विशेष ज्ञान प्राप्त करेंगे तथा सफल भी रहेंगे।

जीवनसाथी- जीवनसाथी के आचरण से प्रसन्नता रहेगी। स्वास्थ्य सुख उत्तम रहेगा।

सन्तान- सन्तान पक्ष से प्रसन्नता मिलेगी। सन्तान का स्वास्थ्य सुख उत्तम रहेगा। पठन के क्षेत्र में विकास करेगा।

मई

स्वास्थ्य- स्वास्थ्य सुख सामान्य रहेगा। वायुविकार से पीड़ित रहेंगे। आलस्य की अधिकता रहेगी। कार्य करने में रुचि पैदा नहीं होगी।

मित्र- मित्र गणों से मित्रता नहीं रहेगी। मित्रों के द्वारा अपमानित होंगे और मित्रों का अपमान करने में भी सफल रहेंगे।

आर्थिक स्थिति- आर्थिक स्थिति मध्यम रहेगी। जीविकोपार्जन करते हुए कुछ धन भी संचय कर सकेंगे। भवन का जीर्णेद्धार भी सम्भव है।

प्रतिष्ठा- मान-प्रतिष्ठा विशेष नहीं रहेगी। दूसरों को सम्मान न देने के कारण बार-बार अपमान का सामना करना पड़ेगा।

आहार- आहार की स्थिति अच्छी नहीं रहेगी। मनोनुकूल आहार की प्राप्ति नहीं होगी, जिससे शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य विकार उत्पन्न होगा।

अध्ययन- अध्ययन-अध्यापन के लिए यह मास अच्छा नहीं रहेगा। पूर्व में किए गये अध्ययन भी भूल जायेंगे। अनुभव द्वारा अध्ययन रूपी सफलता प्राप्त कर सकेंगे।

जीवनसाथी- जीवनसाथी के साथ सामंजस्य अच्छा रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य में सुधार होगा। जीवनसाथी से कभी-कभी क्लेश की स्थिति बनेगी।

सन्तान- सन्तान पक्ष में सक्रियता बढ़ेगी। सन्तान के अनुशासन तथा संस्कार से माता-पिता को सन्तुष्टि होगी।

जून

स्वास्थ्य- स्वास्थ्य सुख अनुकूल नहीं रहेगा। अतिसार व अन्य विविध रोगों से ग्रसित रहेंगे। रोगों का निदान सरलता से सम्भव नहीं होगा।

मित्र- मित्रों से अकस्मात् भेंट, किन्तु लाभ नहीं होगा। मित्रों के प्रति निराशा तथा दुःख व्यक्त करेंगे।

आर्थिक स्थिति- आर्थिक स्थिति में सुदृढ़ता आयेगी। अर्थागम के लिए किए गये समस्त प्रयास सफल होंगे। भौतिक सुखों की प्राप्ति होगी।

प्रतिष्ठा- मान-प्रतिष्ठा के लिए समय अनुकूल रहेगा। परिवार व मित्रों द्वारा सम्मानित किए जायेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

आहार- उत्तम आहारों की प्राप्ति का सौभाग्य प्राप्त होगा। किन्तु आहार द्वारा रोगों के बनने की भी सम्भावना रहेगी।

अध्ययन- यह समय अध्ययन-अध्यापन के लिए विशेष अच्छा नहीं रहेगा। अध्ययन के लिए किये गये प्रयत्न निरर्थक सिद्ध होंगे।

जीवनसाथी- जीवनसाथी का स्वास्थ्य विकारयुक्त रहेगा। ज्वर के दर्द की प्रबल सम्भावना रहेगी। सामंजस्य की स्थिति बनेगी।

सन्तान- सन्तान को शिक्षा के क्षेत्र में लाभ मिलेगा तथा कुशाग्र बुद्धि से प्रसन्नता रहेगी।

जुलाई

स्वास्थ्य- स्वास्थ्य सुख सामान्य रहेगा। दूरस्थ यात्राओं के कारण शारीरिक सुख में कमी रहेगी। उदर विकार से कष्ट होगा।

मित्र- मित्रों की संख्या अधिक होगी, किन्तु मित्रों के मध्य सम्मान नहीं प्राप्त कर पायेंगे। मित्रों से लाभ भी कम ही होगा।

आर्थिक स्थिति- आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी। आय के अच्छे स्रोत बनेंगे। दिन-प्रति-दिन आय के स्रोतों में वृद्धि होगी।

प्रतिष्ठा- मान-प्रतिष्ठा के लिए समय विशेष अच्छा नहीं रहेगा। अपने मान-प्रतिष्ठा की रक्षा करें। शत्रुओं द्वारा अपमान के षड्यन्त्र रचे जायेंगे।

आहार- दूषित तथा मादक आहारों का सेवन करेंगे, जिससे रोगों में वृद्धि होगी औ स्वास्थ्य प्रभावित होगा।

अध्ययन- भ्रमण में ही समय व्यतीत करेंगे। अध्ययन-अध्यापन से पृथकता रहेगी।

जीवनसाथी- जीवनसाथी के स्वास्थ्य में वृद्धि होगी, किन्तु धीरे-धीरे रोगों का नाश होगा और शारीरिक सुख की प्राप्ति होगी।

सन्तान- सन्तान सुख अच्छा रहेगा। सन्तान पक्ष से उत्तम धन की प्राप्ति होगी।

अगस्त

स्वास्थ्य- स्वास्थ्य में कुछ विकार आयेगा। शारीरिक निर्बलता से पीड़ित रहेंगे। अस्थि भाग में दर्द रहेगा।

मित्र- मित्रों से सावधान रहें। उचित-अनुचित का ज्ञान करके ही मित्रता करें अन्यथा हानि सम्भव है।

आर्थिक स्थिति- आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी। किन्तु कुछ कारणों के द्वारा धन की क्षति होने से चिन्तित रहेंगे।

प्रतिष्ठा- मान-प्रतिष्ठा का अल्प सुख मिलेगा। दूसरों का उपहास करना पसन्द करेंगे, जिससे बीच-बीच में अपमान का सामना भी करना पड़ सकता है।

आहार- भूख की अधिकता रहेगी, किन्तु मनोनुकूल आहार न मिलने से कष्ट होगा।

अध्ययन- अध्ययन का पक्ष मजबूत नहीं रहेगा। अध्ययन के लिए समय देना पसंद नहीं करेंगे।

जीवनसाथी- जीवनसाथी के कष्टों से पीड़ित रहेंगे। मन्त्र ऊर्जा द्वारा सफलता मिलेगी। धीरे-धीरे स्वास्थ्य में सुधार होगा।

सन्तान- सन्तान पक्ष में मजबूती आयेगी। स्वास्थ्य में सुधार होगा। अकस्मात् आंशिक चोट की सम्भावना बनेगी।

सितम्बर

स्वास्थ्य- स्वास्थ्य विपरीत ही रहेगा। प्रमेह रोग की अधिकता रहेगी। शारीरिक कान्ति नष्ट होगी।

मित्र- मित्रों की संख्या अधिक होगी, किन्तु मित्रों के मध्य सम्मान नहीं प्राप्त कर पायेंगे। मित्रों के बीच निन्दा के पात्र बनेंगे।

आर्थिक स्थिति- आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी। कठिनाइयों के साथ जीविकोपार्जन कर पायेंगे। बीच-बीच में बहुत अधिक आर्थिक क्षति होगी।

प्रतिष्ठा- मान-प्रतिष्ठा के लिए समय अच्छा नहीं है। गुरु की पूजा करके आशीर्वाद प्राप्त करें, सम्मान में वृद्धि होगी।

आहार- आहार की स्थिति अच्छी नहीं रहेगी। पराधीन आहार होने से आनन्द की अनुभूति नहीं कर पायेंगे। आहार में शुद्धि नहीं रहेगी, जिससे नवीन रोगों की वृद्धि होगी।

अध्ययन- अध्ययन के लिए यह समय ठीक नहीं रहेगा। आलस्य व निद्रा के कारण अध्ययन मार्ग से निरन्तर दूर ही रहेंगे।

जीवनसाथी- जीवनसाथी को पेट दर्द और दन्त दर्द की सम्भाना रहेगी। बीच-बीच में शारीरिक आघात लगता रहेगा।

सन्तान- सन्तान के भविष्य को लेकर विशेष चिन्ता रहेगी। सन्तान का विकास बाधाओं के बाद ही होना सम्भव होगा।

अक्टूबर

स्वास्थ्य- स्वास्थ्य में कुछ न कुछ कमी निरन्तर रहेगी। रोगों का शमन करना सरलता से सम्भव नहीं होगा, धीरे-धीरे नियम-संयम एवं औषधियों के द्वारा शान्ति मिलेगी।

मित्र- मित्र अच्छे नहीं मिलेंगे। मित्रों से प्रायः तनाव रहेगा। मित्रों को दिए धन वापस नहीं मिलेगे, अतः मित्रों को धन न दें।

आर्थिक स्थिति- आर्थिक स्थिति विशेष अच्छी नहीं रहेगी। आर्थिक स्तर बढ़ाने के लिए विशेष प्रयत्न करने पड़ेंगे। आर्थिक स्थिति में धीरे-धीरे सुधार होगा।

प्रतिष्ठा- मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। अपमान की सम्भावना नहीं बनेगी, फिर भी मान-प्रतिष्ठा की रक्षा करें।

आहार- आहार से सन्तुष्टि नहीं मिलेगी। अनियमित तथा दूषित आहार के कारण रोग में वृद्धि ही होती रहेगी। शुद्ध आहार ग्रहण करें, रोगों का अन्त होगा।

अध्ययन- अध्ययन-अध्यापन में विशेष रुचि रखेंगे। अध्ययन द्वारा उत्तम ज्ञान प्राप्त करके दूसरों को शिक्षा देकर उसके जीवन को सफल बनायेंगे।

जीवनसाथी- जीवनसाथी के सदाचार से प्रसन्न रहेंगे। जीवनसाथी का स्वास्थ्य कुछ कमजोर रहेगा। जीवनसाथी आज्ञाकारिणी रहेगी।

सन्तान- सन्तान पक्ष से सन्तुष्ट रहेंगे।

नवम्बर

स्वास्थ्य- नियम-संयम, व्यायाम एवं औषधियों के द्वारा स्वास्थ्य में सुधार होगा। निषिद्ध चीजों के सेवन से रोग बढ़ गये हैं, अतः निषिद्ध चीजों का सेवन न करके रोगों को शान्त कर सकते हैं।

मित्र- मित्रों की अधिकता रहेगी। उनके दर्शन से प्रसन्नचित्त रहेंगे। कटु वचनों के कारण अल्प समय में ही मित्रों से बिलगाव कर लेंगे।

आर्थिक स्थिति- आर्थिक स्थिति सामान्य ही रहेगी। धन की प्राप्ति हेतु इधर-उधर भ्रमण करेंगे, किन्तु धन प्राप्ति अल्प मात्रा में ही होगी।

प्रतिष्ठा- मान-प्रतिष्ठा में हानि होगी। अभद्र व्यवहार के कारण बीच-बीच में प्रतिष्ठा का ह्रास होता रहेगा। भाई तथा ग्राम-वासियों द्वारा अपमानित होंगे।

आहार- इच्छित आहार की प्राप्ति होती रहेगी। परन्तु आहार का उपभोग करने से रोगों की सम्भावना बढ़ती ही जायेगी।

अध्ययन- अध्ययन-अध्यापन का क्षेत्र अवरुद्ध रहेगा। अध्ययन-अध्यापन के लिए समय उचित नहीं रहेगा।

जीवनसाथी- जीवनसाथी को भौतिक समस्त सुखों की उपलब्धि होगी। शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार होगा। दाम्पत्य जीवन में कोई बाधा नहीं रहेगी। परस्पर प्रेम में वृद्धि होगी।

सन्तान- सन्तान सुख उत्तम मिलेगा। सन्तान में रोग की प्रधानता रहेगी। शारीरिक विकास में कमी रहेगी।

दिसम्बर

स्वास्थ्य- स्वास्थ्य सुख विकारयुक्त रहेगा। शारीरिक जोड़ों तथा अस्थियों में पीड़ा रहेगी। मलाशय तथा मूत्राशय में विकार उत्पन्न होगा, किन्तु औषधियों द्वारा लाभ होगा।

मित्र- मित्रों से लाभ की सम्भावना नहीं रहेगी, परन्तु मित्रों द्वारा उत्तम सम्मान प्राप्त करेंगे। किसी मित्र के निधन रूपी शोक समाचार सुनने से ग्लानि होगी तथा शोक मनायेंगे।

आर्थिक स्थिति- आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी। अनायास बिना परिश्रम के धन प्राप्त करने में सफलता प्राप्त करेंगे।

प्रतिष्ठा- मान-प्रतिष्ठा में थोड़े समय के लिए वृद्धि होगी, किन्तु स्थाई नहीं रहेगी।

आहार- आहार की स्थिति अच्छी रहेगी। समुचित और मनोनुकूल आहार की प्राप्ति होगी, जिससे स्वास्थ्य सुख में वृद्धि होगी। रोगों का धीरे-धीरे क्षय होगा।

अध्ययन- अध्ययन के लिए यह माह विशेष अच्छा रहेगा। अध्ययन-अध्यापन से लोग प्रभावित रहेंगे। वाणी द्वारा कथित वाक्यों की लोग प्रसंशा करेंगे।

जीवनसाथी- जीवनसाथी का स्वास्थ्य एवं आचरण अच्छा रहेगा। शारीरिक सुख में वृद्धि होगी। व्यवहार तथा परिश्रम द्वारा परिवार को वशीभूत करने में समर्थ रहेगी। पति-पत्नी में परस्पर प्रेम बढ़ता रहेगा।

सन्तान- सन्तान में रोग की अधिकता रहेगी। मातृ तथा पितृ पक्ष से कुछ विवाद सम्भव है, किन्तु थोड़े ही समय में शान्ति भी सम्भव है।

सावधानियाँ एवं उपाय

१. नौकरों एवं बुजुर्गों का सम्मान करें।

२. दूसरों की निन्दा न करें। पाप हो ऐसी कमाई न करें।

३. चावल, चीनी, आलू, मीठे पदार्थ का सेवन न करे।

४. शनिवार अथवा मंगलवार के दिन हनुमान जी का दर्शन अवश्य करें और शनिवार के दिन सुन्दर काण्ड अथवा हनुमान चालीसा का पाठ भी करें।

५. शनि की शान्ति के लिए ''ऊँ खां खीं खौं सः शनैश्चराय नमः'' मन्त्र का जप करें तथा शनिवार के दिन इसी मन्त्र से शमी की लकड़ी से १०८ बार हवन करें।

६. काले घोड़े के नाल की अँगूठी शनि मन्त्र से अभिमन्त्रित कर शनिवार के दिन तर्जनी अँगुली में अवश्य धारण करें।

७. राहु के अरिष्ट को दूर करने हेतु ‘‘ॐ भ्रां भ्रीं भ्रौं सः राहवे नमः’’ मन्त्र का जप प्रतिदिन अथाशक्ति नियमित रूप से अवश्य करें और इसी मन्त्र से बुधवार के दिन सूर्यास्त के बाद दूर्वा से १०८ बार हवन करें, इससे आकस्मिक दुर्घटनाओं से सुरक्षा होगी।

८. गुरु की अरिष्टता से मधुमेह से पीड़ित होने से ‘‘ॐ ग्रां ग्रीं ग्रौं सः गुरवे नमः’’ मन्त्र का जप प्रतिदिन अथाशक्ति नियमित रूप से अवश्य करें और गुरुवार के दिन इसी मन्त्र से पीपल की लकड़ी से १०८ बार हवन करें।